पेंटिंग, क्विज व भाषण प्रतियोगिता हुई

भास्कर न्यूज|कोडरमा

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन की ओर से संचालित बाल मित्र ग्राम-पहरीडीह,अंबाकोला, हथपिंडवाँ,बसधरवा, लहरियांटाँड़, रतनपुर, मधुवन, रतिथमबाइ सहित सैकड़ों बाल मित्र ग्रामों में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता सह विश्व प्रसिद्ध बाल अधिकार कार्यकर्ता आदरणीय कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में धूम-धाम से मनाया। विश्व भर के उपेक्षित व शोषित बच्चों के हक व अधिकार के लिए आवाज उठाने और दबे कुचले बच्चों के अधिकार सुनिश्चित कराने के लिए वर्ष 2014 में उन्हें दुनिया के सर्वोच्च पुरस्कार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया है।

बचपन को सुरक्षित बनाने के लिए किये गए प्रयासों के कारण दुनियाभर के बच्चे उनके जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते है। सुरक्षित बचपन दिवस के मौके पर बाल मित्र ग्रामों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेंटिंग, क्विज व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वही दर्जनों बाल मित्र ग्रामों में जनसंवाद का आयोजन कर जिले से बाल मजदूरी, बाल, बाल व्यापार व बाल यौन हिंसा की रोकथाम कर सभी बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा सुनिश्चित करने और बाल मित्र कोडरमा बनाने पर परिचर्चा आयोजित की गई। बच्चों ने पेंटिंग व शार्ट वीडियो के माध्यम से कैलाश सत्यार्थी को जन्मदिन व सुरक्षित बचपन दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रमों को सफल बनाने में बाल मित्र ग्राम के बच्चे व ग्रामीण के अलावा फाउंडेशन के कार्यकर्ताओ की अहम भूमिका रही।

नोबेल विजेता का जन्मदिन मनाया गया

- मरकच्चो में मनाया गया कैलाश सत्यार्थी का जन्मदिन
- 11 जनवरी 1954 में हुआ था नोबेल विजेता का जन्म

कोडरमा, संवाददाता। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन द्वारा संचालित बाल मित्र ग्राम पहरीडीह, अंबाकोला, हथपिंडवा, बसधरवा,लहरियाटांड़, रतनपुर, मधुवन, रतिथमाइ समेत कई बाल मित्र ग्रामों में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन को बतौर सुरक्षित बचपन दिवस मनाया गया।

बता दें कि कैलाश सत्यार्थी का जन्म एमपी के विदिशा में 11 जनवरी 1954 ई को हुआ था। दुनिया भर के उपेक्षित, दबे कुचले, हासिए पर रखे गए बच्चों के अधिकार सुनिश्चित कराने उन्होंने 1980 में बचपन बचाओ आंदोलन की स्थापना की थी। सत्यार्थी के प्रयास से लाखों बच्चों को बाल श्रम, बाल व्यापार से छुड़ाया गया है। विश्वभर के उपेक्षित, शोषित बच्चों के अधिकार का आवाज उठाने, उनके अधिकार सुनिश्चित कराने साल 2014 में उन्हें दुनिया के सर्वोच्च नोबेल शांति पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। बचपन को सुरक्षित बनाने किए गए प्रयासों के कारण ही दुनियाभर के बच्चे उनके जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते हैं। इसे लेकर बाल मित्र ग्रामों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेंटिंग, क्विज, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दर्जनों बाल मित्र ग्रामों में जनसंवाद का आयोजन कर जिले से बाल मजदूरी, बाल व्यापार, बाल यौन हिंसा की रोकथाम कर सभी बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा सुनिश्चित करने, बाल मित्र कोडरमा बनाने पर परिचर्चा की गई। बच्चों ने पेंटिंग, शार्ट वीडियो के जरिए कैलाश सत्यार्थी को जन्मदिन, सुरक्षित बचपन दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सुरक्षित बचपन दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी, कोडरमा: नोबेल शांति पुरस्कार विजेता सह प्रसिद्ध बाल अधिकार कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में गुरुवार को बच्चों ने बड़े ही धूम-धाम से मनाया। इस अवसर पर कोडरमा जिला अंतर्गत कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फ़ाउंडेशन द्वारा संचालित बाल मित्र ग्राम पहरीडीह, अंबाकोला, हथपिंडवा,बसधरवा, लहरियांटाड़ , रतनपुर, मधुवन, रतिथमबाइ सहित सैकड़ो बाल मित्र ग्रामों में बच्चों के बीच विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दुनिया भर के उपेक्षित, दबे कुचले एवं हाशिये पर रखे गए बच्चों के अधिकार सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से उन्होंने 1980 में बचपन बचाओ आंदोलन की स्थापना की थी। सत्यार्थी के प्रयासों से लाखों बच्चों को बालश्रम एवं बाल व्यापार से छुड़ाया गया है। 2014 में उन्हें दुनिया के सर्वोच्च पुरस्कार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया है। दुनियाभर के बच्चे उनके जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते हैं।

पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे ● जागरण

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी जी का जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया

अपेम लाइव : गावां
राजमणि पांडे

गिरिडीह जिला अंतर्गत कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन द्वारा संचालित बाल मित्र ग्राम– भगलपुर, सलैयाटांड, आलमपुर, हरिहरपुर, लालकीमाटी, खोटो, हरिजन टोला, सहित सैकड़ो बाल मित्र ग्रामों में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता सह विश्व प्रसिद्ध बाल अधिकार कार्यकर्ता आदरणीय कैलाश सत्यार्थी जी के जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में बच्चों ने बड़े ही धूम–धाम से मनाया। कैलाश सत्यार्थी जी का जन्म मध्य प्रदेश के विदिशा में 11 जनवरी 1954 ई को हुआ था। दुनिया भर के उपेक्षित, दबे कुचले एवं हासिये पर रखे गए बच्चों के अधिकार सु. निश्चित कराने के उद्देश्य से उन्होंने 1980 में बचपन बचाओ आंदोलन की स्थापना किया था। कैलाश सत्यार्थी के प्रयासों से लाखों बच्चों को बाल श्रम एवं बाल व्यापार से छुड़ाया गया है।विश्व भर के उपेक्षित एवं शोषित बच्चों के हक व अधिकार के लिए आवाज उठाने और दबे कुचले बच्चों के अधिकार सुनिश्चित कराने के लिए वर्ष 2014 में उन्हें दुनिया के सर्वोच्च पुरस्कार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया है।बचपन को सुरक्षित बनाने के लिए किये गए प्रयासों के कारण दुनियाभर के बच्चे उनके जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते है। सुरक्षित बचपन दिवस के इस अवसर पर आज बाल मित्र ग्रामों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेंटिंग एवं क्वीज प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।वही दर्जनों बाल मित्र ग्रामों में जनसंवाद का आयोजन कर जिले से बाल मजदूरी, बाल, बाल व्यापार एवं बाल यौनहिंसा की रोक. थाम कर व सभी बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने व बाल मित्र गिरिडीह बनाने पर परिचर्चा आयोजित की गई. बच्चों ने पेंटिंग एवं शार्ट वीडियो के माध्यम से कैलाश सत्यार्थी जी को जन्मदिन एवं सुरक्षित बचपन दिवस की शुभक. ामनाएं दिया कार्यक्रमों को सफल बनाने में बाल मित्र ग्राम के बच्चे व ग्रामीण एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के कार्यकर्ताओ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस

जर्नलिजम टुडे संवाददाता

किशनगंज । नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस 11 जनवरी को देश भर के बाल अधिकार कार्यकर्ता और बच्चे सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते हैं। इनकी अगवाई में अब तक सवा लाख से अधिक बच्चे बाल मजदूरी और गुलामी से मुक्त कराया जा चुके हैं।

विश्व भर के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1999 में ग्लोबल कैंपेन फॉर एजुकेशन की शुरूआत की । शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए 2001 में भारत यात्रा की शुरूआत हुई। इसके परिणाम स्वरुप देश के संविधान में संशोधन हुआ और शिक्षा का अधिकार कानून बना। बाल श्रम, बाल शोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे। कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बिहार और झारखंड के 34 जिलों में सर्वाइवर लेड इंटेलिजेंस नेटवर्क के माध्यम से गांव, पंचायत स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम ,प्रभात फेरी, विद्यालयों में बच्चों और शिक्षकों के साथ-साथ मिलकर आज के दिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। किशनगंज जिला के किशनगंज प्रखंड के उच्च विद्यालय गाछपाडा एवं मध्य विद्यालय सालकी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। इस कार्यक्रम में कार्यकर्ता विपिन बिहारी सहित ग्रामीण की भागीदारी रही।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी जी का जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया

झारखण्ड न्यूज24

गावां

शुभम चंद्रवंशी

गिरिडीह जिला अंतर्गत कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन द्वारा संचालित बाल मित्र ग्राम- भगल. पुर, सलैयाटांड, आलमपुर, हरिहरपुर, लालकीमाटी , खोटो, हरिजन टोला, सहित सैकड़ो बाल मित्र ग्रामों में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता सह विश्व प्रसिद्ध बाल अधिकार कार्यकर्ता आदरणीय कैलाश सत्यार्थी जी के जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में बच्चों ने बड़े ही धूम-धाम से मनाया। कैलाश सत्यार्थी का जन्म मध्य प्रदेश के विदिशा में 11 जनवरी 1954 ई को हुआ था। दुनिया भर के उपेक्षित, दबे कुचले एवं हासिये पर रखे गए बच्चों के अधिकार सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से उन्होंने 1980 में बचपन बचाओ आंदोलन की स्थापना किया था। श्री सत्यार्थी के प्रयासों से लाखों बच्चों को बाल श्रम एवं बाल व्यापार से छुड़ाया गया है। विश्व भर के उपेक्षित एवं शोषित बच्चों के हक व अधिकार के लिए आवाज उठाने और दबे कुचले बच्चों के अधिकार सुनिश्चित कराने के लिए वर्ष 2014 में उन्हें दुनिया के सर्वोच्च पुरस्कार नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया है। बचपन को सुरक्षित बनाने के लिए किये गए प्रयासों के कारण दुनियाभर के बच्चे उनके जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते है। सुरक्षित बचपन दिवस के इस अवसर पर आज बाल मित्र ग्रामों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेंटिंग एवं क्वीज प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वही दर्जनों बाल मित्र ग्रामों में जनसंवाद का आयोजन कर जिले से बाल मजदूरी, बाल , बाल व्यापार एवं बाल यौनहिंसा की रोकथाम कर व सभी बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने व बाल मित्र गिरिडीह बनाने पर परिचर्चा आयोजित की गई. बच्चों ने पेंटिंग एवं शार्ट वीडियो के माध्यम से कैलाश सत्यार्थी जी को जन्मदिन एवं सुरक्षित बचपन दिवस की शुभकामनाएं दिया। कार्यक्रमों को सफल बनाने में बाल मित्र ग्राम के बच्चे व ग्रामीण एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फा. उंडेशन के कार्यकर्ताओ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

کیلاش ستیارتھی کی سالگرہ کو محفوظ بچپن کے دن کے طور پر منایا گیا

کشن گنج (محمد عظیم الدین) ملک بھر میں حقوق اطفال کے کارکن اور بچے 11 جنوری کو نوبل انعام یافتہ کیلاش ستیارتھی کے یوم پیدائش کو محفوظ

بچپن کے دن کے طور پر مناتے ہیں۔ ان کی قیادت میں اب تک 25.1 لاکھ سے زائد بچوں کو چائلڈ لیبر اور غلامی سے نجات دلائی گئی ہے۔ عالمی مہم برائے تعلیم کا آغاز 1999 میں دنیا بھر کے بچوں کی تعلیم کو یقینی بنانے کے لیے کیا گیا تھا۔ تعلیم کو بنیادی حق بنانے کے لیے 2001 میں بھارت یاترا شروع کی گئی۔ اس کے نتیجے میں ملک کے آئین میں ترمیم کی گئی اور حق تعلیم کا قانون نافذ کیا گیا۔ وہ چائلڈ لیبر، بچوں کے استحصال کے خلاف ملک گیر تحریک کے سرخیل تھے۔ کیلاش ستیارتھی کے یوم پیدائش کے موقع پر کیلاش ستیارتھی چلڈرن فاؤنڈیشن کے زیر اہتمام بہار اور جھارکھنڈ کے 34 اضلاع میں سروائیور لیڈ انٹیلی جنس نیٹ ورک کے ذریعے اسکولوں میں بچوں اور اساتذہ کے ساتھ گاؤں، پنچایت سطح پر مختلف قسم کے بیداری پروگرام، پربھات پھیری -مل کر آج کا دن محفوظ بچپن کے دن کے طور پر منایا گیا۔ کشن گنج ضلع کے کشن گنج بلاک کے ہائی اسکول گچپاڑا اور مڈل اسکول سالکی میں بیداری پروگرام منعقد کیے گئے۔ اس پروگرام میں کارکن وپن بہاری سمیت گاؤں والوں نے حصہ لیا۔

र दुबारा दुकानें लगाने की कोशिश की

राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे कैलाश सत्यार्थी

कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सरकारी स्कूल के बच्चे • जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज: प्रखंड के उच्च विद्यालय गाछपाडा एवं मध्य विद्यालय सालकी में गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कार्यकर्ता विपिन बिहारी सहित ग्रामीण की भागीदारी रही।

उन्होंने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस 11 जनवरी को देश भर के बाल अधिकार कार्यकर्ता और बच्चे सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। इनकी अगवाई में अब तक सवा लाख से अधिक बच्चे बाल मजदूरी और गुलामी से मुक्त कराया जा चुके हैं। विश्व भर के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1999 में ग्लोबल कैंपेन फार एजुकेशन की शुरुआत की गई।

शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए 2001 में भारत यात्रा की शुरुआत हुई। इसके परिणाम स्वरुप देश के संविधान में संशोधन हुआ और शिक्षा का अधिकार कानून बना। बाल श्रम, बाल शोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बिहार झारखंड के 34 जिलों में सर्वाइवर लेड इंटेलिजेंस नेटवर्क के माध्यम से गांव, पंचायत स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम ,प्रभात फेरी, विद्यालयों में बच्चों और शिक्षकों के साथ के साथ मिलकर सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया।

...ामक्ति को लेकर चलाया अभियान

लूटकांड मामले में दो

सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क) बेतिया (बिहार)। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस 11 जनवरी को देश भर के बाल अधिकार कार्यकर्ता और बच्चे सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते हैं। इनकी अगवाई में अब तक सवा लाख से अधिक बच्चे बाल मजदूरी और गुलामी से मुक्त कराया जा चुके हैं। विश्व भर के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1999 में ग्लोबल कैंपेन फॉर एजुकेशन की शुरूआत की । शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए 2001 में भारत यात्रा की शुरूआत हुई इसके परिणाम स्वरुप देश के संविधान में संशोधन हुआ और शिक्षा का अधिकार कानून बना। बाल श्रम, बाल शोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बिहार झारखंड के 34 जिलों में सर्वाइवर लेड इंटेलिजेंस नेटवर्क के माध्यम से गांव, पंचायत स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम ,प्रभात फेरी, विद्यालयों में बच्चों और शिक्षकों के साथ के साथ मिलकर आज के दिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कैलाश सत्यार्थी फाऊंडेशन, बचपन बचाओ आंदोलन, सत्याग्रह रिसर्च फाऊंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। इस कार्यक्रम में बचपन बचाओ आंदोलन के पंकज कुमार, सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सचिव डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं बेतिया पश्चिमी चंपारण के गणमान्य व्यक्तियों ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के लंबे उम्र एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस पर वक्ताओं ने कहा कि बाल मजदूरी, सीमा पर बाल व्यापार की रोकथाम, बाल विवाह के लिए सदैव समाज को जागृत एवं संघर्ष करते रहेंगे।

कोडरमा-चतरा भास्कर

रांची, शुक्रवार, 12 जनवरी, 2024 | झुमरीतिलैया • जयनगर • मरकच्चो | इटखोरी • टंडवा • सिमरिया | dainikbhaskar.com

सीटी बजाओ -उपस्थिति बढ़ाओ कार्यक्रम : बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए गांव-गांव में बजी सीटी

कोडरमा \ चतरा | बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने व विद्यालयों में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के आह्वान पर 11 जनवरी को सीटी बजाओ -उपस्थिति बढ़ाओ राज्य व्यापी कार्यक्रम के तहत बाल मित्र ग्रामों मे बढ़चढ़ कार्यक्रम आयोजित कर जमकर सीटी बजाया। विभिन्न गांवों में बच्चों ने गुरुवार की सुबह झुंड होकर अभियान के उद्देश्यों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया। जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में सीटी बजाओ स्कूल चलाओ का आयोजन किया गया। बच्चों ने सीटी बजाते हुए विद्यालय आये। बाल पंचायत के मुखिया, सदस्य व स्कूल के बच्चों ने गली, चौराहे व अन्य स्थानों में जा कर सिटी बजाया और स्कूल नहीं जाने वाले बच्चेऔर उनके अभिभावकों से अनुरोध किया कि ये अपने बच्चों को नियमित रुप से स्कूल भेजें।

मौसम

तापमान

दिन 20° अधिकतम | रात 8° न्यूनतम

आज आसमान बादल छाए रहने और बारिश होने की है संभावना है।

शहर में आज

धार्मिक / सामाजिक

विवेकानंद जयंती
कहां: स्वामी विवेकानंद जयंती को ले स्कूलों और सामाजिक संगठनों के द्वारा विविध कार्यक्रम, सुबह 9.30 बजे से

प्रशिक्षण
कहां: कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फेडरेशन का सदर प्रखंड मुख्यालय में आयोजन, दोपहर 12.15 बजे से

प्रेरणा शाखा का आयोजन
कहां: एसवीआई प्रेरणा शाखा के संयुक्त तत्वाधान में मकर संक्रांति को लेकर वृद्धा आश्रम में विविध कार्यक्रम का आयोजन , दोपहर 1.30 बजे से

ड्यूटी
सदर अस्पताल में सुबह नौ बजे से तीन बजे तक डॉ अरविंद व डॉ आशीष मरीजों का इलाज करेंगे।

लोकल सोना चांदी भाव

सोना	चांदी
▼ 24 कैरेट | ▼ 22 कैरेट	▲ प्रति किलो

स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभियान शुरू

कोडरमा. सीटी बजाओ, उपस्थिति बढ़ाओ कार्यक्रम के तहत बाल मित्र ग्रामों में सीटी बजाया गया. बाल पंचायत के मुखिया, सदस्य व स्कूल के बच्चों द्वारा गली, चौराहे पर सीटी बजाया गया तथा स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों से आग्रह किया गया कि वे अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें. बाल विवाह की ब्रांड एंबेसडर व बाल पंचायत की मुखिया राधा पांडेय ने विद्यालय में उपस्थिति बढ़ाने के लिए सरकार के इस महा अभियान को सफल बनाने के लिए सीटी बजाया.

धर्म ▸ समाज ▸ संस्था

करुणा नैसर्गिक भाव है, जो सभी के अंदर निहित

गंजबासौदा| लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में करुणा के वैश्वीकरण और करुणामय समाज के निर्माण पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कैलाश सत्यार्थी के करुणा संदेश एवं करुणा पर आधारित तीन बहनों की कहानी से की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रवेश शर्मा ने कैलाश सत्यार्थी के करुणा के वैश्वीकरण आंदोलन पर प्रकाश डाला। पिंगले ने कहा कि सत्यार्थी ने एक लाख से अधिक बच्चों को बंधुआ मज़दूरी से मुक्त करवाया है। महाविद्यालय के छात्र ध्रुव शर्मा ने कहा कि करुणा एक नैसर्गिक भाव है, जो सभी के अंदर निहित है। इस करुणा के भाव से हम पूरे समाज को बेहतर एवं विकसित समाज बना सकते हैं। फाउंडेशन के सदस्य अब्दुल कादिर व जिला समन्वयक श्रीकांत यादव ने फाउंडेशन की कार्यप्रणाली एवं 11 जिलों में चल रही बाल मित्र ग्राम परियोजना के कार्यों की जानकारी

रही है। साथ ही पुराने एकत्रित कचरे को

बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि

किया है। अब इस स

और
नुरोध

एव फूल देकर
गया कि अगर
ने हेलमेट नहीं
को जुर्माना भरना
पहिया वाहन
ट बेल्ट लगाने के
दी गई। अपनी
वार की सुरक्षा
क्रम में मुख्य रूप
यातायात प्रभारी
र अली, आरक्षक
मंडल की अध्यक्ष
ारी रश्मि देशपांडे
झा नेहा अहिरवार
ीएस कालेज से
पा रघुवंशी अंजलि
ती रघुवंशी ,प्रियंका
रोशन कुर्मी, सौरभ
विशाल अहिरवार

सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया जन्मदिवस

गंजबासौदा (आरएनएन)। लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस 'सुरक्षित बचपन दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कैलाश सत्यार्थी जी के करुणा संदेश एवं करुणा पर आधारित तीन बहनों की कहानी से की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य आर आर द्विवेदी जी द्वारा की गई । कायक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रवेश शर्मा ने सत्यार्थी जी के करुणा के वैश्वीकरण आंदोलन पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ...

एवं ख़ासकर बच्चों के प्रति करुणा के भाव से ही प्रेरित होकर ही उन्होंने एक लाख से अधिक बच्चों को बंधुआ मज़दूरी से मुक्त करवाया ।करुणामय समाज के निर्माण पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में महाविद्यालय के छात्र ध्रुव शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि किस प्रकार करुणा एक नैसर्गिक भाव है जो सभी के अंदर निहित है इस करुणा के भाव से हम पूरे समाज को बेहतर एवं विकसित समाज बना सकते है फाउंडेशन के सदस्य अब्दुल कादिर जिला समन्वयक, श्रीकांत यादव ने फाउंडेशन की कार्यप्रणाली एवं 11 जिलों में चल रही बाल मित्र ग्राम परियोजना के कार्यों से भी अवगत कराया गया वही दूसरी ओर इस अवसर पर बाल मित्र ग्रामों में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों जैसे चित्रकला नुक्कड़ नाटक भजन गायन आदि का आयोजन कर बच्चों एवं ग्रामीणों में मिठाई वितरित कर जन्मदिवस बड़े ही हर्षो उल्लास से मनाया गया । कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग की प्रोफेसर श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी ने किया कार्यक्रम के उपरांत महाविद्यालय खेल प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया इस कार्यक्रम में प्राचार्य आरआर द्विवेदी, उप प्राचार्य डॉ पियूष दुबे समेत समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे ।

सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस

किशनगंज। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस 11 जनवरी को देश भर के बाल अधिकार कार्यकर्ता और बच्चे सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते हैं। इनकी अगवाई में अब तक

सवा लाख से अधिक बच्चे बाल मजदूरी और गुलामी से मुक्त कराया जा चुके हैं। विश्व भर के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1999 में ग्लोबल कैंपेन फॉर एजुकेशन की शुरुआत की । शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए 2001 में भारत यात्रा की शुरुआत हुई। इसके परिणाम स्वरुप देश के संविधान में संशोधन हुआ और शिक्षा का अधिकार कानून बना। बाल श्रम, बाल शोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे। कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बिहार और झारखंड के 34 जिलों में सर्वाइवर लेड इंटेलिजेंस नेटवर्क के माध्यम से गांव, पंचायत स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम ,प्रभात फेरी, विद्यालयों में बच्चों और शिक्षकों के साथ-साथ मिलकर आज के दिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। किशनगंज जिला के किशनगंज प्रखंड के उच्च विद्यालय गाछपाडा एवं मध्य विद्यालय सालकी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। इस कार्यक्रम में कार्यकर्ता विपिन बिहारी सहित ग्रामीण की भागीदारी रही।

मुख सुरेंद्र ठाकुर, प्रांत विशेष
मुख नितिन सक्सेना, विभाग

सदस्य अमृतांशु यादव, अंकित विश्वकर्मा, कार्तिक खटीक मौजूद थे।

और अनीति करना चाहिए

। ● नवदुनिया

रम प्रिय पुत्र अवतारी पुरुष श्री
र लक्ष्मण को मांगा। पहले तो
शरथ ने अनेकों बहाने बना कर
या। किंतु बाद में महर्षि वशिष्ठ
झाने पर उन्होंने अपने प्राण प्रिय
और लक्ष्मण को विश्वामित्र के
दिया। स्वामी वेदांती ने बताया
दि शंकराचार्य भगवान ने कहा है
री आत्मा ही सीता है और इसी
ो परमात्मा को समर्पित करना ही
जीवन का चरम लक्ष्य है। पर यह
कठिन है कि हम माया के प्रपंच
चकर जीवन में ईश्वर के प्रति
ा का भाव ला सके। इस समर्पण
ए श्री राम श्रीरामचरितमानस में

समाज के निर्माण पर विचार गोष्ठी का आयोजन

गंजबासौदा। लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कैलाश सत्यार्थी के करुणा संदेश एवं करुणा पर आधारित तीन बहनों की कहानी से की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य आर आर द्विवेदी द्वारा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रवेश शर्मा ने सत्यार्थी के करुणा के वैश्वीकरण आंदोलन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सत्यार्थी के समाज एवं ख़ासकर बच्चों के प्रति करुणा के भाव से ही प्रेरित होकर ही उन्होंने एक लाख से अधिक बच्चों को बंधुआ मज़दूरी से मुक्त करवाया। करुणामय समाज के निर्माण पर आयोजित इस विचार गोष्ठी में महाविद्यालय के छात्र ध्रुव शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि किस प्रकार करुणा एक नैसर्गिक भाव है जो सभी के अंदर निहित है इस करुणा के भाव से हम पूरे समाज को बेहतर एवं विकसित समाज बना सकते हैं।

सार्वजनिक सूचना

प्राणायाम का आयोजन
जिला स्तरीय कार्यक्रम
परिसर में प्रातः 8 ३
होगा। कार्यक्रम आयो
व्यवस्थाओं हेतु कले
भार्गव ने विभिन्न अधि
दायित्व सौंपे है। -नप्र

राशन वितरण में पर कार्रवाई के

विदिशा। कलेक्टर उम
गुरुवार को खाद्य विभा
समीक्षा की। इस दौरा
विकासखंड मुख्यालय
अधिकारियों से कहा
दुकानों पर राशन वित
बरतने वाले दुकान सं
एफआईआर दर्ज कर
की जाए और वसूली

युवा

विदिशा (नवदु
प्रजापिता, ब्रह्माकुमा
विद्यालय मुखर्जी
नर्सिंग कालेज
विकसित भारत
कार्यक्रम आयोजि
ब्रम्हकुमारी नंदिनी
युवाओं से ही क्रांति
दिशा देने की जर
द्वारा आयोजित का
नंदिनी दीदी ने क
बहुत ही अद्भुत है
सबसे महत्वपूर्ण है
कई प्रकार के सा
द्वारा व्यक्ति अपन

कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन पर कार्यक्रम

देवरी. कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन ने गुरुवार को दुलाभीठा एवं तिलकडीह गांव में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के 70वां जन्मदिम सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया. इसमें पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. बच्चों को फलदार पौधा दिया गया. बाल मित्र ग्रामों के ग्रामीणों को भी सम्मानित किया गया. मौके पर मुखिया विनोद हेंब्रम, फाउंडेशन के सुरेंद्र पंडित, सुधीर वर्मा, संदीप नयन, उदय राय, राजू सिंह आदि थे.

देवरी: कैलाश सत्यार्थी का जन्मदिन सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मना

भास्कर न्यूज| देवरी

नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। सत्यार्थी के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर देवरी प्रखंड के तिलकडीह और दुलाभीठा में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सुरक्षित बचपन सप्ताह के तहत 8 और 10 जनवरी को पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम के चौथे दिन उस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

वहीं दर्जनों बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान बच्चों ने केक काट कर व एक एक फलदार पौधा लगा सुरक्षा की जिम्मेवारी ली। कार्यक्रम के दौरान तिलकडीह पंचायत मुखिया विनोद हेम्ब्रम ने सत्यार्थीजी के जीवन में किए गए संघर्षों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज बच्चों के शिक्षा, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र उनके उत्कृष्ट प्रयास को नमन करते हैं। वे हमारे देश के गौरव हैं, उनका सपना करुणामय समाज निर्माण करने की है तो आज हम सभी को उनके जन्मदिवस पर शपथ लेनी चाहिए कि मिलकर आपसी सद्भाव को बढ़ावा देंगे।

ग्रामीणों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया

बाल मित्र ग्रामों के ग्रामीणों को सम्मान पत्र के साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। ये लोग अपने गांव में बच्चों की शिक्षा सुरक्षा और विकास के लिए सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं, इन कार्यों को आगे बढ़ाने और करुणामय समाज निर्माण कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महिला पुरुषों को सम्मानित किया गया। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के जिला समन्वयक सुरेंद्र पंडित ने कहा कि समाज की ऊंच नीच, भेदभाव को देखते हुए उन्होंने अपना नाम कैलाश शर्मा से कैलाश सत्यार्थी रख लिया और सत्य के लिए लड़ने निकल पड़े। देश के बच्चों के लिए आगे आएं, बंधुआ मजदूर, बाल मजदूर, बाल तस्करी, बाल विवाह जैसी कुरीतियों से जान की बाजी लगाकर लड़े। कार्यक्रम के दौरान तिलकडीह, घसकरीडीह तथा हरियाडीह के पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक, महिला मंडल, युवा मंडल तथा सहित कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के सुरेंद्र पंडित, सुधीर वर्मा, संदीप नयन, उदय राय, राजू सिंह, सुरेंद्र सिंह, पंकज, नीरज, कृष्णा आदि मौजूद थे।

कैलाश सत्यार्थी जी का जन्मदिन सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया

सुरक्षित बचपन सप्ताह के तहत हुए प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

करुणामय समाज निर्माण के लिए प्रयासरत ग्रामीणों को सम्मान - पत्र तथा अंगवस्त्र देकर किया गया सम्मानित

इस मौके पर 1-1 फलदार पौधे लगाकर बच्चों ने ली सुरक्षा की जिम्मेदारी

जोहार झारखण्ड/मनोज लाल बर्नवाल।

तिसरी। आज देवरी प्रखंड के अलग अलग जगह में देश के विभूति सह बच्चों के मसीहा , नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी जी के जन्मदिवस को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। सत्यार्थी जी के 70 वे जन्मदिवस के अवसर पर देवरी में 2 स्थानों पर तिलकडीह और दुलाभीठा में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विदित हो कि सुरक्षित बचपन सप्ताह के तहत 8 तथा 10 तारीख को पेंटिंग तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित किए गया था जिसमे आज के कार्यक्रम में उस प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया, वहीं दर्जनों बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। बच्चों ने केक काटा और वहीं 1 फलदार पौधा लगाकर सत्यार्थी जी के जन्मदिन को जन्मदिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम के दौरान तिलकडीह पंचायत मुखिया श्री विनोद हेमब्रॉम ने सत्यार्थी जी के जीवन में किए गए संघर्षो के बारे में बताया साथ ही उन्होंने कहा कि आज बच्चों के शिक्षा, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र उनके उत्कृष्ट प्रयास को नमन करते हैं। वे हमारे देश के गौरव हैं, उनका सपना करुणामय समाज निर्माण करने की है तो आज हम सभी को उनके जन्मदिवस पर शपथ लेनी चाहिए कि मिलकर आपसी सद्भाव को बढ़ावा देंगे। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बाल मित्र गांव के ग्रामीणों को सम्मान पत्र के साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। ये लोग अपने गांव में बच्चों की शिक्षा सुरक्षा और विकास केलिए सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं, इन कार्यों को आगे बढ़ाने तथा करुणामय समाज निर्माण कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चिन्हित 9 महिला/पुरुषों को सम्मानित किया गया। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के जिला समन्वयक सुरेंद्र पंडित ने सभी से जानकारी साझा करते हुए कहा कि, माननीय श्री कैलाश सत्यार्थी जी का जन्म 11 जनवरी 1954 को मध्य प्रदेश के विदिशा में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था, समाज की ऊंच नीच , भेदभाव आदि को देखते हुए उन्होंने अपना नाम कैलाश शर्मा से कैलाश सत्यार्थी रख लिया और सत्य के लिए लड़ने निकल पड़े। अपने जीवन में ईंजिनियर की नौकरी पाकर भी उन्हें चैन नहीं मिला, तब वे समाज और देश के बच्चों के लिए आगे आए, बंधुआ मजदूर, बाल मजदूर, बाल तस्करी, बाल विवाह जैसी कुरीतियों से जान की बाजी लगाकर लड़े। आज तक वे 1.5 लाख से अधिक बच्चों के जीवन संवारने में सफलता पाई है। पूरे देश में बाल मित्र ग्राम निर्माण कार्य के माध्यम से बच्चों की शिक्षा सुरक्षा विकास के साथ साथ एक बेहतर समाज निर्माण के कार्य को अपने संगठन कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के माध्यम से आगे बढ़ा रहे हैं। करुणामय समाज से तात्पर्य है कि, ऐसा समाज जहां किसी भी प्रकार का जातीय, धार्मिक, ऊंच नीच असमानता जैसी भेदभाव न हो सभी समान हों, एक दूसरे को सहयोग करें। उन्होंने इसके लिए पूरे देश से आह्वान किया है कि आइए मिलकर करुणामय समाज बनाते हैं। उनके सपने को साकार करने की आवश्यकता है क्योंकि वर्तमान समय की भी मांग है । जहां एक और दुनिया मिसाइलों और हथियारों के पीछे भाग रही है वहीं मानवता कराह रही है। इसलिए आज उनके 70वें जन्मदिवस पर सभी को उनके बताए राह पर चलने के लिए संकल्प लेने की परमावश्यकता है। दुलाभीठा के महिला मंडल अध्यक्ष शैफाली बास्के ने कहा कि, कैलाश सत्यार्थी जी के जन्म दिवस को बच्चों के लिए खास है, वे बच्चों के मसीहा कहे जाते हैं, इसीलिए उनका जन्मदिन सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया जाता है। करुणामय समाज निर्माण उनकी सोच है, सत्यार्थी जी के इस पुनीत कार्य में हम सभी सहयोगी बनेंगे। उनको जन्मदिन की हार्दिक बधाई। कार्यक्रम के दौरान तिलकडीह, घसकरीडीह तथा हरियाडीह के पंचायत प्रतिनिधिगण, शिक्षक, महिला मंडल, युवा मंडल तथा सलाहकार समिति के सदस्यों सहित अन्य ग्रामीण महिला पुरुष और सैंकड़ों बच्चे सहित कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के सुरेंद्र पंडित, सुधीर वर्मा, संदीप नयन, उदय राय, राजू सिंह, सुरेंद्र सिंह, पंकज, नीरज, कृष्णा, इंकज आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र अभिव्यक्ति

झारखंड में बाल विवाह : चुनौतियां और रणनीति

बाल विवाह को सामाजिक बुराई मान कर इसकी अनदेखी चलती रही है जबकि सच्चाई यह है कि यह बच्चों के साथ बलात्कार है और कानून की नजर में भी इसे बलात्कार ही माना जाता है। इसके बावजूद बच्चों का बचपन छीनने का यह सिलसिला सदियों से जारी है। नतीजे में बाल विवाह की शिकार दुनिया की हर तीसरी लड़की भारतीय है। है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (एनएफएचएस 2019-21) के आंकड़े बताते हैं कि देश में 20 से 24 के आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु से पहले ही हो गया था। विकास के सभी मानकों पर देश के सबसे पिछड़े राज्यों में शुमार झारखंड की करें तो यहां हालात और भी बदतर हैं। एनएफएचएस के आंकड़ों के अनुसार यहां 20 से 24 आयु वर्ग की 32.3 फीसद लड़कियों का विवाह 18 की उम्र से पहले हो गया था। एनएचएफएस-5 के आंकड़ों के अनुसार बाल विवाह के मामलों में जामतारा देश में 14वें, देवघर 23वें और गोड्डा 25वें स्थान पर है। जामतारा में 20 से 24 वर्ष की 50.5 फीसद लड़कियों का विवाह 18 वर्ष के पूर्व हो गया था। ये आंकड़े भयावह लग सकते हैं लेकिन इसके पीछे तमाम आर्थिक-सामाजिक कारण हैं जिसमें प्रमुख हैं शिक्षा का अभाव, गरीबी और बच्चियों के लिए असुरक्षित माहौल जिसकी वजह से मां-बाप उनकी जल्दी शादी कर देते हैं। हाल के कुछ वर्षों में झारखंड में बाल विवाह के खात्मे के लिए सरकारी स्तर पर कुछ गंभीर प्रयास देखने को मिले हैं। झारखंड उन चंद राज्यों में है जिसने है नवंबर 2018 में बाल वाह के खिलाफ बाकायदा कार्ययोजना पेश की। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच और खास तौर लड़कियों की शिक्षा पर जोर देने के अलावा कौशल विकास को मजबूती देने जिसमें खास तौर से लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाने और बाल विवाह की रोकथाम के लिए इससे जुड़े कानूनों, नीतियों और योजनाओं पर अमल के लिए प्रवर्तन एजेंसियों के ज्ञान और क्षमता निर्माण और सभी प्रासंगिक विभागों की नीतियों में समन्वय पर जोर दिया गया।

भुवन ऋभु
स्तंभकार

इन समन्वित प्रयासों के नतीजे 16 अक्टूबर को साफ तौर पर दिखे जब राज्य सरकार की पहल पर सरकारी विभागों और गैरसरकारी संगठनों ने राज्य के सभी 24 जिलों के हजारों गांवों में महिलाओं की अगुआई में मशाल जुलूस निकाले और झारखंड को बाल विवाह मुक्त बनाने की शपथ ली। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों को पत्र लिख कर उनसे इस अभियान में हिस्सा लेने और राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए लोगों को शपथ दिलाने का निर्देश दिया था। लोगों ने भी निराश नहीं किया और इस जागरूकता अभियान इस अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की। सभी स्कूलों और पंचायतों में लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई। इससे इस अभियान को तकरीबन हर गांव और हर घर तक पहुंचने में कामयाबी मिली। इसमें पंचायत विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विकास विभाग और शिक्षा विभाग की केंद्रीय भूमिका रही लेकिन पहली बार इसमें पुलिस और विधिक सेवाओं के पदाधिकारियों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। थानों में लोगों के साथ पुलिसकर्मियों ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। इससे कम से कम एक बदलाव तो जाहिर है कि पुलिस अब बाल विवाह से आंख मूंदने का काम नहीं करेगी। बाल विवाह के खिलाफ झारखंड सरकार के ये समन्वित प्रयास एक तरह से जमीनी स्तर पर 'पिकेट' रणनीति पर ही अमल है जिसकी इन पंक्तियों के लेखक ने अपनी पुस्तक 'व्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन : टिपिंग प्वाइंट टू एंड चाइल्ड मैरिज' में विस्तार से चर्चा की है। 'पिकेट' रणनीति के तहत सरकारें, संस्थान, वैधानिक निकाय समन्वित रूप से कार्य करते हुए बच्चों की सुरक्षा व कल्याण के उपायों में निवेश, योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और तकनीक के इस्तेमाल से निगरानी और बचाव जैसे उपायों पर फोकस करती हैं। वह सरकार, समुदायों, गैर सरकारी संगठनों और बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील बच्चियों से नीतियों, निवेश, सम्मिलन, ज्ञान-निर्माण और एक पारिस्थितिकी जहां बाल विवाह फल-फूल नहीं पाए एवं निरोधक उपायों और निगरानी तकनीकों की मांग पर एक साथ काम करने का आह्वान करती है। इसमें मुख्य ध्यान बाल विवाह की रोकथाम के उपायों, बच्चों की सुरक्षा को लेकर लोगों की मानसिकता में बदलाव लाने और उन्हें यह समझाने पर होना चाहिए कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि बच्चों के प्रति गंभीर अपराध है।

बाल विवाह को रोकने के लिए 18 वर्ष की आयु तक सभी बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा और इसे विवाह की उम्र से जोड़ने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन की मांग वाजिब है। साथ ही, सशर्त नगदी हस्तांतरण जैसे प्रोत्साहन उपायों के अच्छे नतीजे देखने को मिले हैं। ऐसे में झारखंड सरकार की सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना बेहद अहम हो जाती है। खास तौर से बाल विवाह को रोकने के उद्देश्य से बनाई गई इस योजना के तहत कक्षा आठ से 19 साल की उम्र तक पढ़ाई करने वाली छात्राओं को कुल 40 हजार रुपए की अनुदान राशि दी जाएगी। इससे अभिभावकों को एक आकर्षक विकल्प मिल गया है जहां वे बच्ची के कम उम्र में ब्याह के बजाय उसे पढ़ाना बेहतर समझेंगे। सरकार ने हामुखबिरह योजना भी शुरू की है जिसके तहत बाल विवाह की जानकारी देने वालों को एक हजार का नगद इनाम मिलता है।

यूनीसेफ का अनुमान है कि अगर पिछले दस साल से हुई प्रगति जारी रही तो 2050 तक जाकर भारत में बाल विवाह की दर घट कर छह प्रतिशत पर आ पाएगी। इसका मतलब है कि 2023 से लेकर 2050 के बीच सात पीढ़ियों तक बाल विवाह का दंश बच्चों से उनका बचपन छीनता रहेगा और हर साल 15 लाख लड़कियों को बाल विवाह के चंगुल में फंसने से नहीं बचाया जा सकता। अब इतना इंतजार नहीं किया जा सकता। हम इस मुद्दे की गंभीरता और तात्कालिकता को समझते हुए अपनी मौजूदा रणनीतियों में बदलाव करें। 'पिकेट' रणनीति पर अमल से हम इस समस्या से पार पा सकते हैं और 2030 तक झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश से बाल विवाह की बुराई को खत्म कर सकते हैं।

(प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता और सुप्रीम कोर्ट के वकील भुवन ऋभु हाल ही में आई चर्चित किताब 'व्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन : टिपिंग प्वाइंट टू एंड चाइल्ड मैरिज' के लेखक हैं। इस किताब में बताई गई रणनीति के आधार पर देश में बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील तकरीबन 300 जिलों को केंद्रित कर 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का अभियान चलाया जा रहा है।)

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन ने छात्रों को दी बाल अधिकार की जानकारी

मधुपुर(निस)। शांति नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के अवसर पर कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन नई दिल्ली की ओर से उत्क्रमित मध्य विद्यालय जयंती ग्राम मधुपुर (देवघर) में एक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को साथ बाल अधिकार के संबंध में जागरूक किया गय।जिसमें कुल 90 बच्चों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दिवस को फाउंडेशन द्वारा सुरक्षित बचपन सुरक्षित भारत के रूप में मनाया गया। जिसमें बच्चों के शिक्षा का अधिकार, बाल मजदूरी, बाल विवाह आदि मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रभु मेहरा, राजशेखर एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के प्रतिनिधि कांति कुमारी एवं किरण कुमारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

बचपन दिवस के रूप में मनाया गया कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस

- खबर बुलंद भारत रिपोर्ट

बेतिया। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस 11 जनवरी को देश भर के बाल अधिकार कार्यकर्ता और बच्चे सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाते हैं। इनकी अगवाई में अब तक सवा लाख से अधिक बच्चे बाल मजदूरी कि गुलामी से मुक्त कराया जा चुका हैं। विश्व भर के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1999 में ग्लोबल कैंपेन फॉर एजुकेशन की शुरूआत की । शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए 2001 में भारत यात्रा की शुरूआत हुई इसके परिणाम स्वरुप देश के संविधान में संशोधन हुआ। और शिक्षा का अधिकार कानून बना। बाल श्रम, बाल शोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बिहार झारखंड के 34 जिलों में सर्वाइवर लेड इंटेलिजेंस नेटवर्क के माध्यम से गांव, पंचायत स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम ,प्रभात फेरी, विद्यालयों में बच्चों और शिक्षकों के साथ के साथ मिलकर आज के दिन को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कैलाश सत्यार्थी फाऊंडेशन, बचपन बचाओ आंदोलन, सत्याग्रह रिसर्च फाऊंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। इस कार्यक्रम में बचपन बचाओ आंदोलन के पंकज कुमार, सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सचिव डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं बेतिया पश्चिमी चंपारण के गणमान्य व्यक्तियों ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के लंबे उम्र एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस पर वक्ताओं ने कहा कि बाल मजदूरी, सीमा पर बाल व्यापार की रोकथाम, बाल विवाह के लिए सदैव समाज को जागृत एवं संघर्ष करते रहेंगे।

शेलेंद्र सादा, विकाश कुमार, सुनील कुमार, राजेंद्र विश्वास, रामकृष्ण यादव सहित अन्य मौजूद थे.

अब तक कोई कारवाई नहीं किया गया है. पीड़िता नीलम देवी ने डीआईजी को आवेदन सौंप कर निष्पक्ष जांच करते दोषी लोगों के विरुद्ध उचित कानूनी कारवाई की मांग की.

सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस

प्रतिनिधि, सतरकटैया

नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म दिवस गुरुवार को सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया. राजकीय उर्दू प्राथमिक विद्यालय सत्तर के बच्चों ने सत्यार्थी का जन्म दिवस सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया. इस कार्यक्रम के प्रखंड कॉर्डिनेटर मो तैयब उद्दीन व जिला कॉर्डिनेटर उमेश प्रसाद यादव ने बताया कि सत्यार्थी के नेतृत्व में अब तक सवा लाख से अधिक बच्चों को बाल मजदूरी और गुलामी से मुक्त कराया गया है. उन्होंने विश्व भर के बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1999 में ग्लोबल कैंपेन फॉर एजुकेशन की शुरुआत की. शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए 2001 में भारत यात्रा की शुरुआत की. इसके परिणाम स्वरूप देश के संविधान में संशोधन हुआ एवं शिक्षा का अधिकार कानून बना. बाल श्रम, बाल शोषण के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के प्रणेता रहे कैलाश सत्यार्थी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन के तत्वाधान में बिहार झारखंड के 34 जिलों में सर्वाइवर लेड इंटेलिजेंस नेटवर्क के माध्यम से गांव, पंचायत स्तर पर विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम, प्रभात फेरी, विद्यालयों में बच्चों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर सुरक्षित बचपन दिवस के रूप में मनाया गया.

झारखण्ड
any मे
ाएं, पुरुष,
8,500 से
नस संपर्क

ठंड से ठिठुर रहे हैं स्कूल व आंगनबाड़ी